राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

मगध विश्वविद्यालय के 'बौद्ध–दर्शन' के विदेशी शोध छात्र राज्यपाल से मिले

पटना, 25 अक्टूबर 2018

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन से आज मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के अंतर्गत संचालित 'बुद्धिस्ट स्टडी डिपार्टमेंट' के कुछ विदेशी शोध–छात्रों ने मुलाकात की तथा उन्हें अपनी कुछ अध्ययनगत समस्याओं से अवगत कराया।

महामहिम राज्यपाल श्री टंडन से मिलनेवाले विदेशी शोध–छात्रों में श्रीलंका के वेन॰यतीयनथोता राहुला (Ven. Yatiyanthota Rahula), म्यांमार के वेन॰ मारनीता (Ven. Marnita) तथा वेन॰ वसीथा (Ven. Vasettha) और लाओस के वेन॰ शैसेना (Zaixana) शामिल थे।

इन विदेशी छात्रों ने राज्यपाल को बताया कि बोधगया में अध्ययन के क्रम में हमें स्थानीय लोगों का पूरा स्नेह एवं आत्मीय भाव प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि 'बुद्ध–दर्शन' के व्यापक अध्ययन एवं शोध–कार्य को लेकर वे बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय में आए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में अध्ययन–सुविधाओं एवं पालि–ग्रंथों के अध्यापन की दृष्टि से शिक्षण–सुविधा को और अधिक विकसित किये जाने की आवश्यकता है। इन विदेशी विद्यार्थियों ने बताया कि 'बुद्धिस्ट स्टडी डिपार्टमेंट' में लगभग 80 भारतीय एवं विदेशी विद्यार्थी 'बौद्ध–दर्शन' का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने राज्यपाल–सह–कुलाधिपति को बताया कि शोध–कार्य के लिए निर्धारित शिक्षण–शुल्क में पिछले दिनों काफी वृद्धि विश्वविद्यालय–प्रशासन द्वारा की गई है। उन्होंने बताया कि लगभग 4.5 लाख रू॰ शोध–कार्य में बतौर शुल्क विदेशी विद्यार्थियों से लिए जाने का प्रावधान किया गया है, जबकि स्थानीय छात्रों से काफी कम राशि ली जाती है। उन्होंने जानकारी दी कि नालन्दा नव महाविहार द्वारा भी मगध विश्वविद्यालय की तुलना में काफी कम राशि विदेशी शोध–छात्रों से बतौर शुल्क ली जाती है। इन विदेशी छात्रों ने कुलाधिपति–सह–राज्यपाल से शुल्क में कमी किए जाने का अनुरोध किया।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि विदेशों से भगवान बुद्ध की पावन धरती पर आकर, विद्यार्थियों द्वारा 'बौद्ध–दर्शन' का अध्ययन किया जाना बिहार प्रदेश के लिए गौरव की बात है। राज्यपाल ने कहा कि वे शीघ्र कुलपति से विमर्श कर उक्त संदर्भ में सहानुभूतिपूर्वक यथोचित निर्णय लेंगे।

....